

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मोहालीके नेशनल एग्री-फूड एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट (NABI) में 42 करोड़ रुपये की बायोफाउंड्री का शिलान्यास किया, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) के तहत भारत का पहला समर्पित केंद्र

भारत स्मार्ट प्रोटीन और बायो-आधारित उत्पादों के लिए समर्पित इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है: केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

बायोफाउंड्री लैब-टू-इंडस्ट्री गैप को पूरा करेगी, न्यूट्रिशनल बायोएक्टिव्स और बायो-इनपुट्स में नवाचार को तेज करेगी: डॉ. जितेंद्र सिंह

मोहाली में नई बायोफाउंड्री भारत के एग्री-फूड इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करेगी, एडवांस्ड फर्मेशन टेक्नोलॉजीज को बढ़ावा देगी: डॉ. जितेंद्र सिंह

मोहाली, 19 मार्च, 2026: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज मोहाली में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत पहली बार समर्पित बायोफाउंड्री केंद्र का शिलान्यास किया, जिसकी अगले दो वर्षों में लगभग 42 करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

यह सुविधा कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत बायोमैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को विकसित करने और स्केल करने के लिए एक राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित की जा रही है, जिसमें स्मार्ट प्रोटीन, बायो-इनपुट्स और बायो-आधारित उत्पाद शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि यह केंद्र प्रयोगशाला अनुसंधान को औद्योगिक स्तर के अनुप्रयोगों से जोड़ेगा और भारत की बायोइकोनॉमी को मजबूत करेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नेशनल एग्री-फूड एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट (NABI) भारत के जैव प्रौद्योगिकी परितृश्य में एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है, विशेष रूप से वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि, खाद्य और पोषण के समाधानों में परिवर्तित करने में। उन्होंने कहा कि संस्थान का जीनोमिक्स, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, फूड साइंस और बायोइनफॉरमेटिक्स में कार्य सीधे पोषण सुरक्षा, सतत कृषि और एग्री-फूड सिस्टम्स में मूल्य संवर्धन में योगदान दे रहा है।

केंद्रीय मंत्री BRIC-नेशनल एग्री-फूड एंड बायोमैनुफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट (NABI), मोहाली में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहाँ उन्होंने बायोमैनुफैक्चरिंग वर्कशॉप 4.0, "स्मार्ट प्रोटीन फोरम 2026", बायोफाउंड्री का शिलान्यास समारोह और BRIC-NABI फाउंडेशन डे समारोह सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम में देश भर के प्रमुख वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और नवप्रवर्तकों ने भाग लिया।

स्मार्ट प्रोटीन अनुसंधान के महत्व को रेखांकित करते हुए, मंत्री ने कहा कि वैश्विक प्रोटीन मांग में वृद्धि और पर्यावरणीय चिंताओं के कारण वैकल्पिक और सतत समाधानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि माइक्रोबियल फर्मेंटेशन, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और सिंथेटिक बायोलॉजी के माध्यम से विकसित स्मार्ट प्रोटीन भोजन के भविष्य के लिए एक स्केलेबल और सतत मार्ग प्रदान करते हैं। उन्होंने जोड़ा कि स्मार्ट प्रोटीन फोरम जैसे प्लेटफॉर्म विज्ञान और उद्योग को एक साथ लाकर इस उभरते क्षेत्र में नवाचार को तेज करते हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती बायोइकोनॉमी को BioE3- बायोटेक्नोलॉजी फॉर इकोनॉमी, एनवायरनमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट जैसी दूरदर्शी नीतियों द्वारा समर्थन मिल रहा है, जो सतत विकास को बढ़ावा देने, रोजगार उत्पन्न करने और नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती हैं। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक बायोलॉजी और बायोमैनुफैक्चरिंग जैसी तकनीकें इन राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्रीय हैं।

NABI पर स्थापित हो रही बायोफाउंड्री का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने कहा कि इसमें बड़े पैमाने के फर्मेंटर्स, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग सिस्टम्स और हाई-थ्रूपुट एक्सपेरिमेंटल प्लेटफॉर्मस सहित उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। उन्होंने कहा कि यह सुविधा स्टार्टअप्स और उद्योग को स्केल-अप, प्री-कमर्शियलाइजेशन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के माध्यम से समर्थन प्रदान करेगी, साथ ही जैव प्रौद्योगिकी में युवा पेशेवरों के लिए एक स्किल डेवलपमेंट हब के रूप में कार्य करेगी।

मंत्री ने कहा कि NABI डी नोवो स्मार्ट प्रोटीन डिजाइन, माइक्रोबियल प्लेटफॉर्मस और स्केलेबल प्रोडक्शन सिस्टम्स जैसे क्षेत्रों में क्षमताएं विकसित कर रहा है, जो अनुसंधान से वास्तविक दुनिया के

अनुप्रयोग तक एक पूर्ण पाइपलाइन बना रहा है। उन्होंने जोड़ा कि ऐसी एकीकृत प्रयास भारत को जैव प्रौद्योगिकी और बायोमैनुफैक्चरिंग में वैश्विक नेता बनाने के लिए आवश्यक हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने जोर दिया कि अकादमिया, उद्योग, स्टार्टअप्स और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग जैव प्रौद्योगिकी में सफलताओं को प्राप्त करने की कुंजी होगा। उन्होंने कहा कि NABI जैसे संस्थान, साथ ही बायोफाउंड्री जैसी सक्षम इंफ्रास्ट्रक्चर, देश में एक मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रहे हैं।

मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ये पहलें खाद्य, पोषण और कृषि में नवाचार को तेज करेंगी, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित विकसित भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।